द्वितीय सेमेस्टर

बी0ए0 (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र

Code HPI–C201 **प्रथम पत्र – भारतीय तर्कशास्त्र**

समयः 3 घण्टे
पूर्णांकः 100+50 = 150

प्रथम इकाई – भारतीय तर्कशास्त्र–स्रोत एवं स्वरूप, न्याय का अर्थ, भारतीय तर्कशास्त्र के रूप में न्याय दर्शन का अध्ययन, ज्ञान–प्रक्रिया के प्रमुख तत्त्व, तिस्र कथा– वाद, जल्प एवं वितण्डा।

द्वितीय इकाई – प्रमाण का अर्थ, उद्देश्य एवं प्रकार– प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द प्रमाण।

तृतीय इकाई – हेतु की कसौटियाँ, हेत्वाभास का अर्थ एवं उसके भेद, तर्क का स्वरूप, संशय का स्वरूप एवं प्रकार, तर्कशास्त्र में संशय एवं तर्क की भूमिका,

चतुर्थ इकाई – प्रयोजन, निर्णय, सिद्धान्त का अर्थ एवं उसके भेद, छल का स्वरूप एवं प्रकार, उपाधि।

पंचम इकाई – साधर्म्य वैधर्म्य, व्याप्ति का अर्थ एवं प्रकार, व्याप्तिग्रहोपाय, जाति, निग्रहस्थान, अनुमान के विविध प्रयोग।

Indian Logic

Ist Unit- Indian Logic- Source and Nature, Meaning of Nyaya, Study of Nyaya Philosophy as Indian Logic, Main elements of knowledge process, Tisra Katha- Vada, Jalp and Vitanda.

2nd Unit- Meaning of Pramana, Object and Type- Pratyaksha, Anumana,

Upamana, Shabda Pramana.

3rd Unit- Criterion of Hetu, Meaning of Hetvabhasa and its kinds, Nature of Tark, Nature of Sanshaya and its kinds, Role of Tark and Sanshaya in Logic.

4th Unit- Prayojana, Nirnaya, Meaning of Siddhant and its kinds, Nature of Chhala and its kinds, Upadhi.

5th Unit- Sadharmya- Vaidharmya, Meaning of Vyapti and its kinds, Vyaptigrahopaya, Jati, Nigrahasthana, Different uses of Anumana.

सन्दर्भ एवं सहायक ग्रन्थ सूची :–

केशव मिश्र– तर्कभाषा

आ0 उदयवीर शास्त्री –न्यायदर्शनम्

डा॰ नीलिमा सिन्हा –भारतीय ज्ञानमीमांसा

Dasgupta, S.N. (2004), *A History of Indian Philosophy*, vol.1, Delhi, Motilal Banarasidass Publishers, Pvt. Ltd.

Radhakrishnan, S. (1929), *Indian Philosophy*, Volume 1, Muirhead Library of Philosophy, 2nd edition, London: George Allen and Unwin.